# सामान्य हिन्दी

**Set - 3 : 2020**
**302 (ZJ)**

*समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]* *[ पूर्णांक : 100*

***नोट :*** प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

***निर्देश :*** (i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों–खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है।
(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

## खण्ड-क

1. (क) 'कल्पलता' के लेखक हैं : 1

(i) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी
(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल (iv) प्रेमचन्द।

(ख) हरिशंकर परसाई की 'जैसे उनके दिन फिरे' किस विधा की रचना है? 1

(i) उपन्यास (ii) कहानी
(iii) निबन्ध (iv) नाटक

(ग) 'आनन्द कादम्बिनी' पत्रिका के सम्पादक थे। 1

(i) प्रतापनारायण मिश्र (ii) बालमुकुन्द गुप्त
(iii) राधाचरण गोस्वामी (iv) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'।

(घ) 'मेरी असफलताएँ' किस विधा की रचना है? 1

(i) डायरी (ii) आत्मकथा
(iii) जीवनी (iv) संस्मरण।

(ङ) द्विवेदी-युग के लेखक हैं : 1
(i) सदल मिश्र (ii) मोहन राकेश
(iii) सरदार पूर्णसिंह (iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी।

2. (क) 'विनय पत्रिका' किस काल की रचना है? 1
(i) आदि काल (ii) भक्ति काल
(iii) रीति काल (iv) आधुनिक काल।

(ख) छायावाद की विशेषता है : 1
(i) उपदेशात्मक वृत्ति (ii) इतिवृत्तात्मकता
(iii) सौन्दर्य और प्रेम (iv) श्रृंगार वर्णन।

(ग) निम्नलिखित में से 'हरिऔध' की रचना नहीं है 1
(i) 'चुभते चौपदे' (ii) 'रस कलश'
(iii) 'वैदेही वनवास' (iv) 'अनघ'।

(घ) निम्नलिखित में एक चम्पू काव्य है : 1
(i) 'पंचवटी' (ii) 'द्वापर'
(iii) 'यशोधरा' (iv) 'सिद्धराज'।

(ङ) 'अष्टछाप' के कवि नहीं हैं : 1
(i) परमानन्ददास (ii) गोविन्द स्वामी
(iii) ईश्वरदास (iv) नन्ददास।

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, अमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनन्द-भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है। यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किन्तु आंतरिक आनन्द की दृष्टि से उनमें एक सूत्रता है। जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनंदित होता है।

(i) राष्ट्रीय जन अपने मनोभावों को किन रूपों में प्रकट करते हैं?
(ii) प्रत्येक संस्कृति के आनंद पक्ष को कौन स्वीकार करता है?
(iii) 'विश्वव्यापी' और 'आंतरिक आनंद' का क्या अर्थ है?
(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

*अथवा*

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

(i) संस्कृति की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
(ii) नए शब्दों की खोज की आवश्यकता क्यों होती है?
(iii) 'उद्‌भूत' और 'परम्परागत' का अर्थ लिखिए।
(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

जाते जाते अगर पथ में क्लान्त कोई दिखावे।
तो जाके सन्निकट उसकी क्लान्तियों को मिटाना।
धीरे-धीरे परस करके गात उत्ताप खोना।
सद्गंधों से श्रमित जन को हर्षितों सा बनाना।
लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को।
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।
होठों की औ कमल-मुख की म्लानताएँ मिटाना।।

(i) राधा पवन को क्लान्त व्यक्ति के सम्बन्ध में क्या समझती है?
(ii) राधा ने पवन को पथिक महिला के साथ कैसा व्यवहार करने के लिए निर्देश दिया?
(iii) 'कमल-मुख' में कौन-सा अलंकार है?
(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
(v) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके कवि का नाम लिखिए।

***अथवा***

जलधि के फूटें कितने उत्स द्वीप-कच्छप डूबें-उतराय;
किन्तु वह खड़ी रहे दृढ़ मूर्ति अभ्युदय का कर रही उपाय।
शक्ति के विद्युत कण, जो व्यस्त विकल बिखरे हैं, हो निरुपाय;
समन्वय उसका करे समस्त विजयिनी मानवता हो जाय।।

(i) 'दृढ़ मूर्ति' से आशय किसकी मूर्ति से है?
(ii) 'उत्स' और 'अभ्युदय' शब्दों का अर्थ लिखिए।
(iii) 'द्वीप-कच्छप' में कौन-सा अलंकार है?
(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।
(v) पद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके कवि का नाम लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) हरिशंकर परसाई
(iii) प्रो. जे. सुन्दर रेड्डी।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) महादेवी वर्मा
(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

***अथवा***

'ध्रुव-यात्रा' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

***अथवा***

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

*अथवा*

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' की चरित्रगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

*अथवा*

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

*अथवा*

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

*अथवा*

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्रांकन कीजिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग का सारांश लिखिए।

*अथवा*

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

## खण्ड-ख

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। $2+5=7$

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोध सामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्र निर्माणर्थं यादृशी सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। ***अथवा***

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात्। अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति। सा मत्रेयी उवाच–येनाहं नामृता स्थाम् किमहं तेन कुर्याम्। यदेव भगवान् केवल अमृतत्वसाधनं जनाति, तदेव मे ब्रूहि। याज्ञवल्क्य उवाच-प्रिया नः सतीत्वं प्रियं भाषसे। एहि, उपविश, व्याख्या-स्यामि अमृतत्व साधनम्।

(ख) दिये गए श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। $2+5=7$

अभूत प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकम्।
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्य सदसि।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः।
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः।। ***अथवा***
जल-बिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। $1+1=2$

(i) हाथ कंगन को आरसी क्या। (ii) पापड़ बेलना।
(iii) सावन हरे न भादो सूखे। (iv) पानी-पानी होना।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'अद्यापि' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1

(अ) अद्य + अपि (ब) अद्या + अपि
(स) अद्या + पि (द) अद्य + आपि

(ii) 'पवनः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1

(अ) पव + नः (ब) प + वनः
(स) पो + अनः (द) पौ + अनः

(iii) 'नायकः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1

(अ) नाय + अकः (ब) ना + यकः
(स) नाय + कः (द) नै + अकः

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए :

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन (ब) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन
(स) सप्तमी विभक्ति, एकवचन (द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(ii) 'सरितें' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन (ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(स) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अभिराम-अविराम 1

(अ) सुन्दर और विश्राम (ब) सुन्दर और लगातार
(स) घमण्ड और निरंतर (द) प्रत्यक्ष और अविलम्ब

(ii) अंशु-अंश 1

(अ) सूर्य और भाग (ब) भाग और प्रकाश
(स) किरण और भाग (द) अग्नि और वरुण

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अम्बर (ii) अर्क
(iii) जनक

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जंगल की अग्नि – 1

(अ) दावाग्नि (ब) वडवाग्नि
(स) जठराग्नि (द) नभाग्नि

(ii) जो जीता न जा सके – 1

(अ) अजीत (ब) सर्वजीत
(स) अजेय (द) जयशील

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) मैंने हस्ताक्षर कर दिया। (ii) विष्णु के अनेकों नाम हैं।
(iii) माधव ने पुस्तक पढ़ लिया। (iv) मैं पानी पी लिया हूँ।

12. (क) 'शान्त' रस ***अथवा*** 'शृंगार' रस का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा ***अथवा*** उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' अलंकार ***अथवा*** 'रूपक' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2

(ग) 'दोहा' छन्द ***अथवा*** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1+1=2

13. किसी बैंक के शाखा-प्रबन्धक को पुस्तक एवं लेखन-सामग्री की दुकान खोलने हेतु ऋण प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए। 2+4=6

***अथवा***

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर किसी इण्टरमीडिएट कॉलेज में लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति हेतु उस कॉलेज के प्रबन्धक को आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) मेरी प्रिय पुस्तक
(ii) पर्यावरण-प्रदूषण : कारण और निवारण
(iii) विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा
(iv) युवा वर्ग और बेरोजगारी।

Gyansindhu Coaching Classes
explained By Arunesh Sir